मौखिक

प्रत्येक 1 अंक

1. कवि अंबर की बातें क्यों नहीं जानता? धरती के वास्तविक जगत पर रहता है।
2. कवि के साथ सब कुछ धरती पर ही क्यों हुआ है? धरती पर जन्म लिया।
3. नभ धरती के प्राण कैसे कँपाता है? नभ अपने वज्र प्रहारों से।
4. प्राणों को नया संगीत कैसे मिला है? फूलों, कलियों, मंजरियों, कोकिला
5. कविता का लययुक्त वाचन कीजिए। M.I.

ठेले पर हिमालय

1. लेखक कौसानी क्यों गए थे?
Ans: हिमालय की बरफ को निकट से देखने के लिए।

2. कौसानी कहाँ बसा हुआ है, उस स्थान की क्या विशेषता है?
Ans नैनिताल के पास; वहाँ से हिमालय की घाटियों और बरफ को देख सकते है

3. खानसामे ने सबको खुशकिस्मत क्यों कहा?
Ans: साफ मौसम के कारण बरफ को देख सके।

4. लेखक ने बैजनाथ पहुँचकर हिमालय से किस रूप में भेंट की?
Ans: जल में तैरते हुए हिमालय से जी भरकर भेंटा।

मौखिक प्रश्न

के उत्तर बताइए –

[illegible] नामक एक गाँव में।

(क) बुढ़िया कहाँ रहती थी? उसका क्या नाम था? → रमती

(ख) सुधीर स्कूल से आते समय किसके पास और क्यों जाता था?

(ग) सुधीर ने वैद्य जी को क्यों बुलाया? क्योंकि रमती दादी बिस्तर पर बेहोश पड़ी हुई थी। उसका शरीर तप रही थी।

(घ) रमती दादी किस प्रकार स्वस्थ हुई?

(ङ) सुधीर ने दूसरों के तथा अपने कल्याण का क्या उपाय बताया? (मूल्यपरक प्रश्न)

पड़ोस में रहने वाला एक लड़का सुधीर बुढ़िया को प्रतिदिन देखने आता था। न जाने उसे उससे मोह-सा क्यों हो गया था। सुधीर स्कूल से आता, अपना बस्ता रखता और सीधा बुढ़िया के घर जाता। वह उससे कहता–"रमती दादी, मैं आ गया हूँ; मेरे योग्य कोई सेवा हो तो बताओ।"

चाहता हूँ कि मैंने जो कुछ भी उन्नति की है, वह उस बुढ़िया के आशीर्वाद का फल है, जिसे मैं रमती दादी कहा करता था। वह बेचारी अकेली थी और उसकी सेवा करना मैं अपना कर्तव्य समझता था। बंधुओ! यह अभिनंदन मेरा नहीं, बल्कि रमती दादी का है। आप भी दया और सेवा के धर्म को अपनाकर दूसरों का एवं अपना कल्याण करें।"